This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6511**

Unique Paper Code : **2132101202**

Name of the Paper : **Sanskrit Epics, DSC**

Name of the Course : **BACHELOR OF ARTS (HONOURS COURSE) SANSKRIT, NEP UGCF 2022**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी **एक** भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए : 3×6=18

Translate the following stanzas :

(*i*) निर्मर्यादस्तु पुरुषः पापाचारसमन्वितः।

मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्रदर्शनः॥

P.T.O.

अथवा/*Or*

क्षात्रं धर्ममहं त्यक्ष्ये ह्यधर्मं धर्मसंहितम्।

क्षुद्रैर्नृशंसैलुब्धैश्च सेवितं पापकर्मभिः॥

(*ii*) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।

उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः॥

अथवा/*Or*

देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।

तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति॥

(*iii*) भूमिः कीर्तिर्यशो लक्ष्मीः पुरुषं प्रार्थयन्ति हि।

सत्यं समनुवर्तन्ते सत्यमेव भजेत् ततः॥

अथवा/*Or*

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

2. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×9=18

Explain the following stanzas with reference to context :

(*i*) उद्विजन्ते यथा सर्पान्नरादनृतवादिनः।

धर्मः सत्यपरो लोके मूलं सर्वस्य चोच्यते॥

अथवा/*Or*

कायेन कुरुते पापं मनसा सम्प्रधार्य तत्।

अनृतं जिह्वया चाह त्रिविधं कर्म पातकम्॥

(*ii*) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः।

आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत॥

अथवा/*Or*

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।

तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 1×9=9

Explain any *one* of the following stanzas in Sanskrit :

कुलीनमकुलीनं वा वीरं पुरुषमानिनम्।

चारित्रमेव व्याख्याति शुचिं वा यदि वाशुचिम्॥

अथवा/*Or*

य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।

उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×18=36

Answer any *two* of the following questions :

(*i*) भारतीय मूल्यों के ज्ञान के स्रोत ग्रन्थ के रूप में रामायण का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate Ramayana as a source text for knowledge of Indian values.

अथवा/*Or*

रामायणाधारित भारतीय भाषाओं के साहित्य पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the literature of Indian languages based on Ramayana.

(*ii*) महाभारत भारतीय ज्ञान और मूल्यों का स्रोत ग्रन्थ है। विवेचना कीजिए।

Mahabharat is the source text of Indian knowledge and values. Discuss.

अथवा/*Or*

महाभारत पर आधारित संस्कृत साहित्य पर प्रकाश डालिए।

Throw light on Sanskrit literature based on Mahabharata.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×4.5=9

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) अध्यात्म रामायण

Adhyatma Ramayana

(*ii*) रामायणाधारित संस्कृत महाकाव्य

Sanskrit Mahakavya based on the Ramayana

(*iii*) महाभारताधारित नाटक

Drama based on Mahabharata

(*iv*) गीता

Gita